Anand
DATE :
PAGE NO. : 22

ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं॰ - 02

ट्रैक नं॰ - ZOOM00 - 19, 20, 21

ट्रैक समयावधि॰ - 1:50

कलाकार का नाम॰- सुभान खां

पिता का नाम॰- खमीसखाँ

पता॰- गाँव- भड़नावा चारणान् तह- पचपदरा- जिला - बाड़मेर

सहायक कलाकार॰-

विडियों रिकोर्डिग समयावधि॰-

विषय॰- कथा (राघव और सायब)

दिनांक॰-

स्थान॰- 27/05/2021

गायन/वादन॰-

वर्णन:- वीरस की यह कथा "रायब सायब" नाम से प्रचलित है। कथा में वीर धुरेराव और तुलेराव वीरता का वर्णन है। आगे की कथा में रायब और सायब की वीरता का वर्णन है।

कथा की शुरुआत में दुरेराव और तुलेराव ने अपना अपना साम्राज्य पाबागजनी, दिल्ली, रूमसूम और कोटाकिल्लूर तक का क्षेत्र अपने अधिकार में कर लिया था। कई दिनो बाद रूम सूम का बादशाह बगावत कर लेता है तथा दुरेराव तथा तुलेराव से अलग हो जाता है। कई दिनो तुलेराव और दुरेराव हज करने के लिए मक्का की यात्रा के लिए रवाना हो जाते हैं। बीच में वे रूमसूम शहर के पास होकर गुजरते हैं तो उसे वहा का बादशाह मिलता है तो वहा कहता है कि मैं आपका अधिकार स्वीकार करता हूँ आप हमारे कोट में चलो वह अपने कोट में लेजा है तथा पहले तो एक भई दुरेराव को अपनी बेटी से विवाह करवाता है तो उन्हे भी रूमसूम के बादशाह पर विश्वास आ जाता है लेकिन बादशाह उन्हें शराब के साथ नसीले पदार्थ पिलाता है जिससे कई दिनों बाद तुलेराव की मृत्यु हो जाती है तथा दुरेराव कई महीनों तक जीवीत रहता है और उसकी पत्नी दो पुत्रों को जन्म देती है। तथा बादशाह उन्हे सिर्फ नसीली शराब ही पिलाता था लेकिन रामगाडूका नामक व्यक्ति जहर पिलाकर दोनों भाईयो को मार देता है। अब सिर्फ दुरेराव की पत्नी और दो बच्चे रायब और सायब बच जाते उन्हे अपने पिता की घोड़ी पर सवार होकर पाबगजनी ले जाती है और एक घोड़ी वही रह जाती है। इस प्रकार दिन बीतते जाते है रायब और सायब भी बड़े होने लगते है। एक दिन वे खेलखे- खेलते जंगल में जाते है तो वे एक शेर को पकड़कर ले आते है तो उसकी माँ डर जाती है और उन्हे कहती है कि इसे वापिस जंगल में छोड़कर आओ और वे उसे वापिस जंगल में छोड़ देते है। तथा उसकी

माँ उनको डराने के लिए कहती है कि आप कहीं मत जाना हाऊ तुमको खा जाएगा यह सुनकर वे अपनी माँ से कहते है कि हाऊ कैसा दिखता है तो उसकी माँ कहती है कि उसका लाल मुँह होता है लाल बाल होते हैं। वे फिर घूमने बाहर निकल जाते हैं तो अपने नाना को देखते हैं उसके मेंहदी लाल बाल होते हैं पान खाने के कारण लाल मुँह होता है तो रायब सायब उसे उठाकर अपनी माँ के आ जाते हैं और अपनी माँ से कहते हैं कि क्या यही हाऊ है। उसकी माँ उसे पहचान लेती है और कहती है नहीं बेटा यह हाऊ नहीं है इसे वापिस छोड़कर आ जाओ वे अपने नाना को वापिस छोड़कर आ जाते है। एक दिन रायब सायब किसी लड़के के साथ झगड़ते हैं तो उस लड़के की उन्हें ताना देती है कि तुम इतने बहादुर हो अपने पिता का बदला क्यूँ नहीं लेते। यह सुनकर वे सीधा अपनी माँ के पास जाते हैं और अपने पिता के बारे में पूछते हैं। उसकी माँ अभी उन्हें बताना नहीं चाहती क्योंकि अभी तक वे छोटे हैं लेकिन वे जिद्द करते हैं तो वह उन्हें बता देती है रामगढ़ूके ने तुम्हारे पिता और चाचा को मारा था अब वह कोटकिलूर पर राज कर रहा है। यह सुनकर वे दोनों पैदल कोटकिलूर रवाना हो जाते हैं लेकिन उसकी उन्हें दोनों को एकसाथ जाने से रोक लेती है तथा रायब को अपने पिता की घोड़ी देकर भेजती है। रायब पाबगजनी से अपने पिता की घोड़ी लेकर कोटकिलूर चला जाता है। वहां रामगढ़ूका उसको छल से मार देता है। घोड़ी भागकर वापिस पाबगजनी आती है। घोड़ी को देखकर सायब और उसकी माँ को पता चल जाता है कि रायब को छल से मार डाला। उसी घोड़ी पर बैठकर सायब कोटकिलूर चला जाता है और सायब जानता था कि छल किये बिना मेरा भाई नहीं मर सकता है। सायब पहले तो सभी सैनिकों को मार देता है रामगढ़ूका के 53 भाई होते हैं वे सभी एक तलभवरे में छुप जाते हैं तथा उसकी बहिन पल्लू वहां घूम रही है

पुल्लू सायब को देखकर उस पर मोहित होती है तथा वह कहती है मेरे भाईयों ने आपके भाई रायब को छल से मारा है। और पल्लू सभी भाईयों को एक-एक कर बुलाती है और सायब उसे मार देता है अंत शमगड़के को पूरे ~~के सामने~~ शहर में घुमाकर मार देता है और पल्लू से शादी करके अपने शहर पाबागजनी जाता है तथा से कोट-किलूर, और रुमसुम पर अपना राज्या स्थापित करता है।